'भाजपा सरकार द्वारा नए जिलों को निरस्त करने का निर्णय अविवेकपूर्ण'

■ एक जिले में कम से कम 3 विधानसभा क्षेत्र होने चाहिए का तर्क देना गलत

ब्यावर (निसं) पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के नेतृत्व में राजस्थान के विकास को गति देनेवाली कांठोस सरकार द्वारा बनाए गए नए जिलों में से 9 जिलों को निरस्त करने का भाजपा सरकार का निर्णय न केवल अविवेकपूर्ण है बल्कि केवल राजनीतिक प्रतिशोध का जीता जागता प्रमाण है। देहात कांठोस के जिला प्रवक्ता अजय शर्मा ने राजस्थान की भाजपा सरकार के निर्णय की कड़ी निंदा करते हुए यह बात कही।ज़िला प्रवक्ता अजय शर्मा ने बताया कि पूर्व कांठोस सरकार के दौरान जिलों का पुनर्गठन करने के लिए वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी रामलुभाया की अध्यक्षता में 21 मार्च 2022 को समिति बनाई गई थी जिसको दर्जनों जिलों के प्रतिवेदन प्राप्त हुए। इन्हीं प्रतिवेदनों का परीक्षण कर समिति ने अपनी रिपोर्ट दी जिसके आधार पर नए जिले बनाने का निर्णय किया गया।ज़िला प्रवक्ता शर्मा ने बताया कि मध्य प्रदेश से छत्तीसगढ़ के अलग होने के बाद राजस्थान देश का सबसे बड़ा राज्य बन गया परन्तु प्रशासनिक इकाइयों का पुनर्गठन उस अनुपात में नहीं हुआ था। राजस्थान से छोटा होने के बाद भी मध्य प्रदेश में 53 जिले हैं। नए जिलों के गठन से पूर्व राजस्थान में हर जिले की औसत आबादी 35.42 लाख व क्षेत्रफल 12,147 वर्ग किलोमीटर था (हालांकि त्रिपुरा राज्य का क्षेत्रफल 10,492 वर्ग किलोमीटर, गोवा राज्य का क्षेत्रफल 3,702 वर्ग किलोमीटर, दिल्ली केन्द्र शासित प्रदेश का क्षेत्रफल 1,484 वर्ग किलोमीटर है) जबकि नए जिले बनने के बाद जिलों की औसत आबादी 15.35 लाख व क्षेत्रफल 5268 वर्ग किलोमीटर हो गया था। उन्होंने कहा कि जिले की आबादी व क्षेत्र कम होने से शासन-प्रशासन की पहुंच बेहतर होती है एवं सुविधाओं व योजनाओं की बेहतर डिलीवरी सुनिश्चित हो पाती है।

छोटी प्रशासनिक इकाई होने पर जनता की प्रतिवेदनाओं का निस्तारण भी शीघ्रता से होता है। भाजपा सरकार द्वारा जिन जिलों को छोटा होने का तर्क देकर रद्द किया है वो भी अनुचित है। जिले का आकार वहां की भौगोलिक परिस्थितियों के आधार पर होता है। कम आबादी वाले जिलों में सरकार की प्लानिंग की सफलता भी ज्यादा होती है। छोटे जिलों में कानून व्यवस्था की स्थिति को बहाल रखना भी आसान होता है क्योंकि वहां पुलिस की पहुंच अधिक होती है। परिस्थितियों के आधार पर जिलों की आबादी में भी अंतर होना स्वभाविक है जैसे उत्तर प्रदेश में प्रयागराज जिले की आबादी करीब 60 लाख है जबकि चित्रकूट जिले की आबादी 10 लाख है। परन्तु सरकार के लिए प्रशासनिक दृष्टि से छोटे जिले ही बेहतर लगते हैं। उन्होंने भाजपा सरकार के दोगलेपन को उजागर करते हुए कहा कि सरकार की तरफ से एक तर्क यह दिया जा रहा है कि एक जिले में कम से कम 3 विधानसभा क्षेत्र होने चाहिए जबकि भाजपा द्वारा 2007 में बनाए गए प्रतापगढ़ मे परिसीमन के बावजूद भी केवल दो विधानसभा क्षेत्र हैं।सरकार द्वारा जहां कम दूरी का तर्क दिया जा रहा है वो भी आश्चर्यजनक है क्योंकि डीग की भरतपुर से दूरी केवल 38 किमी है जिसे रखा गया है परन्तु सांचौर से जालोर की दूरी 135 किमी एवंअनूपगढ़ से गंगानगर की दूरी 125 किमी होने के बावजूद उन जिलों को रद्द कर दिया गया। ज़िला प्रवक्ता अजय शर्मा ने बताया कि हमारी सरकार ने केवल जिलों की घोषणा ही नहीं की बल्कि वहां कलेक्टर, एसपी समेत तमाम जिला स्तरीय अधिकारियों की नियुक्ति दीं।

हाड़ौती में तीन नेत्रदान हुए

■ कोटा और भवानीमंडी में तीन नेत्रदान संपन्न हुए

कोटा, (निसं)। शाईन इंडिया फाउंडेशन के जागरूकता अभियान से हाड़ौती संभाग में तीन मृतकों के नेत्रदान संपन्न हुए। शनिवार सुबह भवानीमंडी निवासी एवं संस्था के ज्योति मित्र विवेक जैन की माताजी विमला जैन के आकस्मिक निधन की सूचना डॉ. कुलवंत गौड़ को भवानीमंडी के शहर संयोजक कमलेश दलाल एवं ज्योति मित्र राजेश नाहर से प्राप्त हुई। सूचना मिलने ही कोटा से 120 किलोमीटर जाकर डॉ. गौड़ ने परिवार के सदस्यों के बीच विमला के नेत्र संकलित किये। इसी क्रम में आनंद विहार बजरंग नगर निवासी सतीश दयानी के पिता वीरूमल दयानी का आकस्मिक निधन हुआ। उनकी अंतिम इच्छा अनुसार माँ पुष्पा दयानी और तीनों बहनों रानी, शोभा, हेमांगी से सहमति लेकर सतीश ने पिता के नेत्रदान का कार्य संपन्न कराया।

नेत्रदान के ठीक उपरांत महावीर नगर प्रथम निवासी जे.एन.खंडेलवाल (चार्टर्ड अकाउंटेंट) की माता ललिता देवी का आकस्मिक निधन हुआ। 11 वर्ष पहले भाई राजेश के बेटे शिवेश खंडेलवाल का भी नेत्रदान शाइन इंडिया के सहयोग से हुआ था। इसीलिए भाई राजेश और संजय से सहमति लेकर माता का नेत्रदान शहर के निजी अस्पताल में संपन्न हुआ नेत्रदान कि पुनीत कार्य में कुलदीप माथुर और प्रदीप दाधीच का भी सहयोग प्राप्त हुआ।

सोमवती अमावस्या को मिलेगा तीन गुना फल

पुष्कर (निसं)। पुष्कर के पंडित कैलाशनाथ दाधीच ने बताया की 30 दिसंबर पोस् कृष्ण पक्ष अमावस्या सोमवार सूर्योदय से रात्रि 3:56 तक सोमवती अमावस रहेगी। इसी दिन देव पितृ कार्य अमावस्या है मलमास सूर्य उत्तरायण एवं सोमवती अमावस्या का जन्म मानस को त्रिगुणात्मक धर्म कर्म का लाभ मिलेगा वेद एवं शास्त्र ठांथ ज्योतिष के माध्यम से बताते हैं कि सोमवती अमावस्या को पितरों के नाम से दान पुण्य हवन पूजन तर्पण मार्जन नारायण बलि त्रिपिंडी श्राद्ध एक पिंडी श्रद्धा करने से पितरों की मोक्ष गति एवं बैकुंठ गामी होते हैं पितरों का आशीर्वाद प्राप्त होता है।

महाभारत के पर्व में वर्णित है कि पांचो पांडव पितरों की मोक्ष गति के लिए सोमवती अमावस्या की इंतजार में हिमालय की बर्फ की कंधराओं में इंतजार करते रहे मगर सोमवती अमावस्या का पर्व नहीं मिला सूर्य उत्तरायण में होने से पितरों को दान पुण्य का दुगना फल मिलता है एवं मलमास में दान पुण्य करने से त्रिगुणात्मक फल प्राप्त होता है तीर्थ में नदियों में समुद्री में पुष्कर जैसे ब्रह्म सरोवर में स्नान करने से दान करने से तर्पण मार्जन नारायण बलि से सूर्य उत्तरायण की साक्षी में पितरों को मोक्ष बैकुंठ गामी होकर पितरों का आशीर्वाद प्राप्त होता है।

इस दिन जल दान अन्नदान फलदान वस्त्र दान धार्मिक पुस्तक दक्षिण सूखा मेवा गरम भोजन पेय पदार्थ सर्दी के वस्त्र दान करने से पीपल की पूजन करने से वृक्ष लगाने से एवं गौशाला में हरा चारा सूखा चारा कुट्टी आदि का दान करने से अक्षय गुना फल मिलता है श्रीमद् भागवत का पाठ करने से गीता पाठ पितृ पाठ ,विष्णु सहस्त्रनाम गोपाल सहस्त्रनाम नारायण मंत्र जप करने से करोडो गुना फल मिलता है 29 दिसंबर सन 2024 पोस् कृष्ण पक्ष रविवार को महीने की शिवरात्रि की पूजन रात्रि में पार्थिव शिव की करने से सर्वार्थ सिद्धि योग में पुण्य फल मिलता है एवं बैकुंठ भगवान के जय विजय पार्षद का पुण्य दिन भी इसी दिन रहेगा। इस दिन विष्णु पूजन एवं शंकर पूजन करने से पुण्य फल मिलता है।

मनमोहन सिंह को दी श्रद्धांजलि:- एनएसयूआई ने भारत के पूर्वपधानमंत्री मनमोहन सिंह को यह श्रद्धांजलि दी गई। यह श्रद्धांजलि कार्यक्रम पुष्कर के एनएसयूआई अध्यक्ष मधुसूदन पाराशर के नेतृत्व मे वरिष्ठ कांठोस के कार्यकर्ताओं के सानिध्य में कांठोस कार्यालय पर रखा गया। मधुसुदन पाराशर ने बताया की भारत के यशस्वी पूर्व प्रधान मंत्री व विश्व के महान अर्थ शास्त्री,आर्थिक सुधारक स्व. श्री मनमोहन सिंह जी को पुष्पांजलि अर्पित कर दो मिनिट का मौन रखा। दिवंगत आत्मा की शांति की प्रार्थना कर श्रद्धांजलि दी,मधुसूदन पाराशर ने डा, सिंह के निधन को अपूर्णीय क्षति बताया,श्रद्धांजलि देने वालो मे एनएसयूआई अध्यक्ष मधुसूदन पाराशर, कांग्रेस नेता बैजनाथ पाराशर, वरिस्ट् कांठोस नेता विनोद पाराशर, रमेश गुर्जर, गिरिराज सोलंकी,रेहान खान,भागचंद आदाली,सोमेस् नागौरा, पंकज पाराशर, अर्जुन, सहित कई कार्यकर्ता मौजूद थे।

सार-समाचार

मनाया जायेगा पौषबड़ा महोत्सव

ब्यावर (निसं) स्थानीय आशापुरा माता धाम में पौष माह के देवप्रिय उत्सव पौषबड़ा महोत्सव का आयोजन रविवार को दोपहर से सांध्य आरती तक भक्तगणों के सौजन्य से धूम धाम के साथ मनाया जाएगा। इस दौरान माँ आशापुरा के मनमोहक श्रृंगार के साथ-साथ मंदिर परिसर में सुमधुर भजन संध्या आयोजित की जाएगी, जिसमें सेंकड़ों भक्तगणों की उपस्थिति रहने वाली है। महोत्सव के निमित्त मंदिर परिसर को आकर्षक और नयनाभिराम रूप से सजाया गया है। महोत्सव में भजन गायक भागचन्द सोलीवाल द्वारा भजन संध्या प्रस्तुत की जाएगी, जिसमें उनके साथियों द्वारा सुमधुर भजनों की एक से बढ़कर एक भजनों की प्रस्तुति दी जाएगी। मंदिर समिति ने सभी भक्तगणों से अनुरोध किया है कि माँ आशापुरा ओर पंचमुखी बालाजी महाराज को हलवा ओर बड़े का भोग लगाने अधिकाधिक संख्या में सपरिवार अपनी उपस्थिति दर्ज़ करवाये।

पुजारी को लूटा

भीलवाड़ा। शहर के भीमगंज थाना क्षेत्र स्थित मिलन टॉकीज के पास बदमाशों ने भेरू जी के मंदिर में पुजारी के साथ दिनदहाड़े मारपीट कर नगदी लूट की वारदात को अंजाम दिया है। मंदिर में पुजारी मदन चेचानी निवासी संजय कॉलोनी भीलवाड़ा मंदिर की सेवा कर रहे थे इसी दौरान दो बदमाश विशाल पूरी और अप्पू भांभी आए जिन्होंने शराब पी रखी थी और मंदिर में पुजारी से शराब का पैसा मांगने लगे इस पर मना करने पर पुजारी के साथ मारपीट का तोड़ फोड़ की घटना को अंजाम दिया।

स्वेटर वितरण

ब्यावर (निसं) आशापुरा माता मंदिर में संचालित सम्राट पृथ्वीराज चौहान छात्रावास के 92 छात्रों को नोटरी क्लब ब्यावर द्वारा स्वेटर व कम्बल वितरण किये गए ।यावर परियोजना अध्यक्ष छोटू सिंह, सह प्रमुख पृथ्वी सिंह भोजपुरा, पुर्ण कालिक कार्यकर्ता प्रमुख भगत सिंह, सत्संग प्रमुख रामपाल सिंह, राम सिंह, सज्जन सिंह, छात्रावास अधीक्षक शैतान सिंह, सह अधीक्षक महावीर, अर्जुन सिंह, प्रेम चीता, चरणजीत सिंह सहित छात्रावास के सभी छात्र उपस्थित रहे।

आम सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि हमारी भागीदारी फर्म मैसर्स ललित मार्बल इण्डस्ट्रीज, प्लाट संख्या जी-93, इण्डस्ट्रीयल एरिया, बिदियाद, जिला नागौर (न्यू जिला डीडवाना - कुचामन) (राज0), पंजीयन संख्या: RF/NGR/2018/940 है तथा इस भागीदारी फर्म से भागीदार कन्हैया लाल जोशी पुत्र मुन्ना लाल कि 23.06.2024 को हो जाने पर उनके स्थान पर सभी भागीदारों की आपसी सहमति से दिनांक 23.06.2024 से संतोष मृत्यु दिनांक- देवी पत्नि कन्हैया लाल को इस भागीदारी फर्म में नया भागीदार बनाया गया हैं। जिसमें सभी भागीदारों की सहमति हैं तथा अब इस भागीदारी फर्म में वर्तमान में हम निम्न भागीदार हैं 1. मुन्ना लाल, 2. संतोष देवी, 3. धर्म चन्द जोशी व 4. ललित किशोर जोशी। यदि किसी को आपत्ति हो तो रजिष्ट्रार ऑफ फर्मस नागौर के कार्यालय में पन्द्रह दिन में दर्ज करा सकते हैं। मियाद गुजरने के बाद आपति मान्य नहीं होगी।

दिव्यांग हुआ महेश एम्स में पढ़कर बनेगा डॉक्टर

कोटा, (निसं)। एलन स्टूडेंट महेश कुमार दीगा, जो शारीरिक रूप से दुर्बल है लेकिन मानसिक रूप से इतना मजबूत है कि अपनी मंजिल की ओर लगातार बढ़ रहा है। महेश ऐसा विद्यार्थी है जिसने 75 प्रतिशत शारीरिक दुर्बलता के बावजूद नीट क्रेक करने की चुनौती को स्वीकार किया और जीत हासिल की। वर्ष 2024 नीट के नतीजों में सफल होने के बाद अब एम्स भोपाल से एमबीबीएस करेगा। महेश के पैर शरीर का बोझ नहीं उठा सकते, जिंदगी बैसाखी और व्हीलचेयर पर है। परिवार कोटा के दीनदयाल नगर निवासी है। पिता रामप्रताप मीणा सरकारी नौकरी में हैं जबकि मां सुनीता गृहिणी हैं। महेश की बड़ी बहिन भी नीट की तैयारी कर रही है, छोटी बहिन अभी स्कूल में है। महेश के पिता दीनदयाल ने बताया कि जन्म से ही उसकी खाने की नली में कुछ विकार था। सर्जरी के अलावा अन्य कोई उपचार नहीं था। जब वो महज 11 महीने का था तो दिल्ली में सर्जरी के लिए कहा गया। हम वहां पहुंचे और सर्जरी हुई। इस दौरान डॉक्टरों ने उसे एनेस्थिसिया का ओवरडोज दे दिया था। उसे मात्र पांच एमएल एनेस्थिसिया दिया जाना था लेकिन डॉक्टरों ने उसे 50 एमएल एनेस्थिसिया दे दिया था। इसके बाद शरीर में नीचे का हिस्सा सुन्न हो गया। जिस समस्या के लिए सर्जरी की गई थी वो तो सही हो गई लेकिन एक नई समस्या हो गई कि पैरों ने शरीर का भार झेलना बंद कर दिया, जिंदगी बैसाखी पर आ गई। ईलाज चला, कोशिश भी खूब हुई, करीब पांच साल तक हाथ में कैनुला लगा रहा। इस दौरान बार-बार यूरीन इंफेक्शन होता रहता था। उस समय जीवन में इतनी दौड़ भाग हुई जो भुलाए नहीं भूल सकते।

शिविर का समापन

ब्यावर (निसं) श्री वर्द्धमान शिक्षण समिति द्वारा संचालित श्री वर्द्धमान कन्या पी. जी. महाविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना के सप्त दिवसीय विशेष शिविर का समापन समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम अधिकारी प्रीति शर्मा ने शिविर में किये गये सात दिनों के कार्यों का विवरण प्रस्तुत किया।छात्रा दर्शना ने अपने विचार अभिव्यक्ति करते हुए बताया कि शिविर में विभिन्न गतिविधियों से लाभान्वित होने का अवसर प्राप्त हुआ। बस्ती में जाकर लोगों से बातचीत करने, स्वच्छता एवं नशे से दूर रहने का संदेश देने, मतदाता जागरूकता एवं पर्यावरण संरक्षण के लिए कार्य करने का अवसर प्राप्त हुआ ।महाविद्यालय प्राचार्य डॉ. आर.सी. लोढ़ा ने स्वयंसेवकों के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि इस प्रकार के शिविर छात्राओं को सामाजिक जिम्मेदारी निभाने और स्वच्छता के प्रति जागरूक बनाने में सहायक होते हैं। जिस प्रकार रोजगार व जीवन के लिए शिक्षा आवश्यक है।

शिल्पग्राम में सुर-ताल थमे, लेकिन मेलार्थियों का उत्साह यथावत

उदयपुर, (कासं)। पश्चिम क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र, उदयपुर की ओर से हवाला शिल्पग्राम में चल रहे शिल्पग्राम उत्सव में पूर्व पीएम मनमोहन सिंह के निधन के शोक में सुर-ताल तो थमे हैं, लेकिन मेलार्थियों का उत्साह यथावत है। सर्दी-कोहरा भी इसमें कमी नहीं ला सके हैं। शिल्प बाजार में 26 राज्यों के हस्तशिल्पी महिला-पुरुषों के 400 से अधिक स्टाल उत्सवार्थियों के आकर्षण का केंद्र बने हुए हैं। कई उत्पाद यहां पहली बार आए हैं, जो लोगों को खूब लुभा रही है। ऐसे उत्पादों में खासतौर से यूपी के हाथरस की रेजिन-हार्डवुड की मूर्तियों का जिक्र जरूरी है।

गोवा हट से सटी हुई स्टाल पर हाथरस के सिद्धहस्त दस्तकार भगवान स्वरूप बताते हैं कि वे जो मूर्तियां बनाते हैं, उनमें लकड़ी, पत्थर और रेजिन का उपयोग होता है। एक आठ इंच की मूर्ति बनाने में ढाई से तीन घंटे लगते हैं। वस्त्र संसार में सजी स्टाल पर निर्मल परमार बताते हैं कि उनकी रजाई सहित सभी उत्पादों में हैंडलूम के कपड़े और रुई का प्रयोग होता है। सिंथेटिक का इस्तेमाल बिल्कुल नहीं होता। जहां माइनस में तापमान हो वहां हमारी रजाइयां और फुल्ट बेडशीट भरपूर गरमाहट देती है। इनमें भी कॉटन लीलन की रजाइयां और भी अधिक गरम होती हैं। हमारे उत्पाद की खास बात यह है कि सभी को वाशिंग मशीन में धो सकते हैं। धोने से इनकी गरमाहट में कमी नहीं आती और ये कम से कम पांच साल तक चलते हैं।

निदेशक फुरकान खान ने बताया कि हालांकि शिल्पग्राम उत्सव में सांस्कृतिक प्रस्तुतियां बंद हैं, फिर भी शिल्पबाजार और प्रदर्शनियों के प्रति मेलार्थियों का उत्साह यथावत है। शुक्रवार तक उत्सव में लगभग 78 हजार लोग आ चुके हैं।

बोरवेल के लिए कन्ट्रोल रूम स्थापित

■ जिले में खुला या परित्यक्त बोरवेल, ट्यूबवेल पाए जाने पर होगी कार्यवाही, जिला कलक्टर ने दिए निर्देश

■ प्रत्येक ग्राम पंचायत, पटवारी, तहसीलदार, नगरीय निकायों को पाबन्द करते हुए परित्यक्त बोरवेल/ट्यूबवेल व खुले कुओं को बंद कराने की ठोस कार्यवाही करने के निर्देश दिए।

भीलवाड़ा। आपदा प्रबंधन, सहायता एवं नागरिक सुरक्षा विभाग, जयपुर द्वारा प्राप्त निर्देशानुसार प्रदेश में बोरवेल/ट्यूबवेल में छोटे बच्चों के गिरने की घटनाओं की पुनरावृत्ति जिले में न हो इस हेतु होने वाले हादसों की रोकथाम के लिए जिला स्तर पर कंट्रोल रूम स्थापित किया गया है।

जिला कलक्टर नमित मेहता ने बताया कि खुले एवं परित्यक्त बोरवेल/ट्यूबवेल से होने वाले हादसों की रोकथाम के लिए जिले में या ठामीण क्षेत्रों में आस-पास किसी भी स्थल पर कोई खुला या परित्यक्त () बोरवेल अथवा ट्यूबवेल दिखाई दे तो मौके के फोटोठाफ मय स्थान का विवरण जैसे गांव/स्थान, तहसील थाना क्षेत्र का नाम एवं जिला अंकित करते हुए तुरन्त जिला स्तर पर स्थापित कन्ट्रोल रूम टेलीफोन नंबर 01482-232671 तथा राज्य स्तर पर 0141-2759903 तथा सीयूजी नंबर (वाट्सअप नम्बर) मोबाईल नंबर 87648-73114 हेल्पलाइन नम्बरों पर सूचना देवें। जिले के समस्त क्षेत्रों में खुले बोरवेल एवं खुले कुओं की आवश्यकता नहीं होने पर तुरन्त खुले बोरवेल एवं खुले कुओं को बंद नही कराने वाले मालिकों के विरुद्ध नियमानुसार कार्यवाही कर इस पर होने वाले समस्त व्यय की वसूली करने के जिला कलक्टर ने समस्त अधिकारियों को निर्देश दिए। जिले में ऐसी घटनाएं न हो, इस संबंध में निरन्तर हो रही दुर्घटनाओं को मध्यनजर रखते हुए अपने अधीन प्रत्येक ग्राम पंचायत, पटवारी, तहसीलदार, नगरीय निकायों को पाबन्द करते हुए परित्यक्त बोरवेल/ट्यूबवेल व खुले कुओं को बंद कराने की ठोस कार्यवाही करने के निर्देश दिए। साथ ही यह भी सुनिश्चित करावें कि भविष्य में खोदे जाने वाले बोरवेल/ट्यूबवेल किसी भी स्थिति में खुले नहीं रहे।

चार हजार रुपए का हर्जाना

जोधपुर, (कासं)। स्थाई लोक अदालत जोधपुर महानगर ने व्यवस्था दी है कि बीमाधारक द्वारा वाहन चोरी के सीसीटीवी फुटेज उपलब्ध नहीं कराए जाने के आधार पर बीमा कंपनी दावा अदायगी के वास्ते इनकार नहीं कर सकती है। अदालत के अध्यक्ष सुकेश कुमार जैन और सदस्य जेठमल पुरोहित तथा माणकलाल चांडक ने परिवाद मंजूर करते हुए लिबर्टी जनरल इंश्योरेंस पर चार हजार रुपए हर्जाना लगाते हुए दो माह में कार की कीमत 9 लाख 68 हजार 50 रुपए मय 8 फीसदी ब्याज अदा करने के आदेश दिए हैं। करण धनकानी ने अधिवक्ता अनिल भंडारी के माध्यम से परिवाद पेश कर कहा कि उनकी बहन दिव्या स्काडा रेपिड कार लेकर एक होटल में प्रदर्शनी में 10 अक्टूबर 2019 को गई थी और वहां के स्टाफ को वैलेट पार्किंग वास्ते चाबी सुपुर्द कर दी लेकिन रात में उन्हें बताया गया कि कार चोरी हो गई है जिसकी प्रथम सूचना रपट भी दर्ज करवा दी गई। बीमा कंपनी ने दावे की अदायगी यह कहते हुए मना कर दी कि बीमाधारी ने मांगने के बावजूद सीसीटीवी फुटेज उपलब्ध नहीं कराए हैं। अधिवक्ता भंडारी ने बहस करते हुए कहा कि होटल और पुलिस ने उन्हें फुटेज उपलब्ध नहीं कराए और बीमा कंपनी अपने स्तर पर सीसीटीवी फुटेज ले सकती थी, इसके वास्ते प्रार्थी जवाबदेह नहीं है। उन्होंने कहा कि कार चोरी में किसी को भी संदेह या संशय नहीं था और उनकी कार का पैकेज बीमा होने से बीमा कंपनी नुकसान भरपाई वास्ते जवाबदेह है।

वित्त मंत्रालय
MINISTRY OF FINANCE
सत्यमेव जयते

जीएसटी करदाता
ध्यान दें !

कृपया वित्तीय वर्ष 2023-24 का अपना वार्षिक रिटर्न फॉर्म GSTR-9* और फॉर्म GSTR-9C# में दाखिल करें

अंतिम तिथि से पहले
दिसंबर 2024 >>> 31

CBC 15502/13/0004/2425

*इन करदाताओं द्वारा फॉर्म GSTR-9 दाखिल किया जाना अनिवार्य है

ऐसे सभी जीएसटी करदाता, जिनका सकल वार्षिक टर्नओवर ₹ 2 करोड़ से अधिक रहा हो (वित्तीय वर्ष 2023-24 के दौरान), निम्न को छोड़कर:
- इनपुट सर्विस डिस्ट्रीब्यूटर
- कैजुअल टैक्सेबल पर्सन
- टीडीएस डिडक्टर
- टीसीएस कलेक्टर
- प्रवासी टैक्सेबल पर्सन

#इन करदाताओं द्वारा फॉर्म GSTR-9C दाखिल किया जाना अनिवार्य है

ऐसे करदाता, जिनका सकल वार्षिक टर्नओवर ₹ 5 करोड़ से अधिक रहा हो (वित्तीय वर्ष 2023-24 के दौरान), द्वारा फॉर्म GSTR-9 में वार्षिक रिटर्न के साथ फॉर्म GSTR-9C में स्व-प्रमाणित रिकॉन्सिलिएशन स्टेटमेंट दाखिल किया जाना आवश्यक है

फॉर्म GSTR-9 और फॉर्म GSTR-9C विलंब से दाखिल किए जाने पर विलंब शुल्क लगता है।

जीएसटी वार्षिक रिटर्नों के विवरण के लिए कृपया स्कैन करें

केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर और सीमा शुल्क बोर्ड

@cbicindia @cbic_india @cbicindia @CBICINDIA @CBIC india www.cbic.gov.in